भजन

तर्ज–तेरे चेहरे से नजर

पिया चरण ही मूल ठिकाना,चरण अब ना छोडूं
हक चरणो से अर्श में जाना,चरण अब ना छोडूं

1–इन कदमो मे छिपी वाहेदत खिलवत
बेशक हुई इन चरणो की बरकत
ले के बैठे यही अर्श खजाना

2–अंग अंग आशिक कदमो लगत है
सोई सुख जाने जिन रूह खैंचत है
किया अरस परस तब जाना

3–अपने ही तन से मैं ऐसी हूं बिछड़ी
कह ना सकूं पिया हालत दिल की
फिर तुझ में ही हमको समाना

4–निरखूं चरण यही आशिको की ताम है
यही आगाज मेरा यही अंजाम है
यही दिल मे ले चरणो में आना